अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17

फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

''राष्ट्रव्यापी बन गई शराब की समस्या''

डॉ. सुब्बाराव

जयपुर, 13 जुलाई 09

:ाकाहार अहिंसा का पर्यायवाची है। अहिंसा और शाकाहार एक दूसरे के पूरक है। मानसिक एकाग्रता संकल्प शक्ति के आधार से ही व्यक्ति शाकाहार व व्यसन मुक्त बन सकता है। व्यसन आज फैशन का रूप ले चुका है। आज का युवा वर्ग इसमें संलग्न होता जा रहा है। शराब की समस्या आज राश्ट्रव्यापी है इस पर नियंत्रण करने के लिए मानसिक संकल्प आवश्यक है। ये शब्द विख्यात गांधीवादी चिन्तक श्री एस.एन. सुब्बाराव ने अणुविभा केन्द्र मालवीय नगर में मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' के सान्निध्य में राजस्थान प्रादेशिक अणुव्रत समिति द्वारा आयोजि शाकाहार व व्यसन मुक्ति पर परिचर्चा करते हुए कहे। डॉ. सुब्बाराव मुनिश्री से आर्शीवाद लेने आये थे।

डॉ. सब्बाराम ने आगे कहाः- यह समस्या गहराती जा रही है। पहले निम्न श्रेणी के लोग इसका प्रयोग करते थे आज उच्च वर्ग में विशेश रूप से अड्डा जमा चुकी है। अब इय कार्य को दुतरफा करना होगा, उपर भी नीचे भी।

मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' ने कहा समस्यां विकराल बनती जा रही है। उसका निदान न सरकार के पास है न सामाजिक संस्थाओं के पास। इसका निदान दृढ़ इच्छा :ाक्ति से व्यक्ति कर सकता है। जन-चेतना का जागरण आवश्यक है। जब तक जनता में जागृति नहीं आयेगी तब तक संदिग्ध रहेगी। जनता के जागरण के लिए सभी संस्थाए एक जुट होकर कार्य करे। तो उसका समाधान निकल सकता है।

राजस्थान समग्र सेवा समिति के अध्यक्ष सवाई सिंह जी ने कहा यह मुद्दा महत्वपूर्ण बन गया है। इस पर अब केवल विचार ही नहीं क्रियान्विति आवश्यक है। श्री रामवल्लभ अग्रवाल अध्यक्ष नशाबन्दी समिति ने महत्व पूर्ण सुझाव देते हुए कहा यह कार्य असंभव नहीं है, शक्ति का नियोजित उपयोग होना चाहिए। जिससे कारगार रूप सामने आए।

सप्रसिद्ध साहित्यकार नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' ने कहा 51 व्यक्तियों की नशा मुक्ति वाहिनी बनाई जानी चाहिए। वे लोग अपनी शक्ति का समुचित उपयोग करें।

पूर्व राज्यपाल जस्टिस नवरंग लाल टिवरेवाल ने कहाः- चिन्तन की अपेक्षा कर्म की आवश्यकता है। कार्य शुरू होना चाहिए परिणाम तो आयेगें ही। परिचर्चा में हनुमान सहाय शर्मा सचिव राश्ट्रीय योजना, श्री मदनलाल भादव सचिव युवा काग्रेंस राजस्थान, कर्नल एन.के. शर्मा, अल्पसंख्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार जसवंत सिंह, श्रीमती शान्ति बहिन, श्री रामेशवर जी विद्यार्थी, श्रीमती वीणा जैन, श्री बलराम सिंह जी, राजस्थान प्रार्देशिक अणुव्रत समिति के अध्यक्ष जी.एल. नाहर आदि अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने परिचर्चा में भाग लिया।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर